

## सीरी द्वारा विकसित एआई आधारित जल परीक्षण किट प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण

### विशाल फार्मास्यूटिकल्स, इंदौर को किया गया प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) द्वारा पानी की गुणवत्ता की जाँच के लिए विकसित एआई आधारित जल परीक्षण किट का दिनांक 20 जून, 2025 को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण किया गया। संस्थान के जयपुर परिसर में आयोजित औपचारिक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम में जल परीक्षण किट की प्रौद्योगिकी मेसर्स विशाल फार्मास्यूटिकल्स, इंदौर को हस्तांतरित की गई। विशाल फार्मास्यूटिकल्स द्वारा इस टेक्नोलॉजी की तकनीकी जानकारी का उपयोग करते हुए किट का औद्योगिक उत्पादन किया जाएगा और इसे उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जाएगा।



प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के दौरान दस्तावेजों का आदान-प्रदान करते हुए डॉ नीरज कुमार एवं श्री राजेश तिवारी

सीएसआईआर-सीरी के प्रौद्योगिकी व्यवसाय संवर्धन (TBD) के समूह प्रमुख डॉ. नीरज कुमार एवं विशाल फार्मास्यूटिकल्स, इंदौर के प्रतिनिधि श्री राजेश तिवारी के बीच प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (ToT) के दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया और प्रौद्योगिकी विकासकर्ता डॉ सत्यम श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक भी उपस्थित थे। उनके साथ जयपुर परिसर के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. साई कृष्णा, डॉ विजय चटर्जी, श्री नवजोत कुमार, श्री सचिन देवासी आदि मौजूद थे।

डॉ पंचारिया ने विशाल फार्मास्यूटिकल्स के श्री राजेश तिवारी तथा डॉ सत्यम श्रीवास्तव एवं संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ

संस्थान की जल परीक्षण किट पर चर्चा की। प्रौद्योगिकी का विकास डॉ सत्यम श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। टीम के सदस्यों में परियोजनाकर्मी श्री सूरज कुमार मुखिया, सुश्री शालिनी, श्री विजेन्द्र एवं श्री रोहित शामिल हैं। संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने डॉ सत्यम श्रीवास्तव सहित प्रौद्योगिकी विकासकर्ता टीम के सदस्यों की प्रशंसा की।



प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से पूर्व चर्चा करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया, श्री राजेश तिवारी एवं अन्य अधिकारीगण



संस्थान द्वारा विकसित एआई आधारित जल परीक्षण किट का प्रोटोटाइप

### एआई आधारित जल परीक्षण किट

यह एक नवीनतम प्रौद्योगिकी पर आधारित उपकरण है, जिसे जल की गुणवत्ता को तेजी से, सटीकता के साथ और सरल तरीके से जांचने के लिए विकसित किया गया है। यह किट

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) तकनीक का उपयोग करके जल में मौजूद विभिन्न रासायनिक तत्वों एवं अशुद्धियों की पहचान करती है।

इस किट की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

**त्वरित परीक्षण** – कुछ ही मिनटों में जल की गुणवत्ता का परिणाम देती है।

**सटीक विश्लेषण** – पारंपरिक विधियों की तुलना में इस किट से प्राप्त परिणाम अधिक विश्वसनीय हैं।

**पोर्टेबल डिजाइन** – यह सरलता से कहीं भी ले जाने योग्य है। विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों में विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध होगी।

**एआई आधारित निर्णय** – किट में लगी एआई प्रणाली जल के नमूने के रंग, रासायनिक प्रतिक्रिया आदि के आधार पर स्वतः विश्लेषण कर परिणाम देती है।

**डिजिटल रिपोर्टिंग** – इस किट में जाँच परिणामों को मोबाइल एप/डिवाइस पर देखा जा सकता है।

पोर्टेबल डिजाइन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) जैसी विशेषताओं से युक्त यह जल परीक्षण तकनीक प्रधानमंत्री के "मेक इन इंडिया" और "जल जीवन मिशन" जैसे अभियानों को सशक्त बनाने की दिशा में एक और सार्थक कदम है। यह किट ग्रामीण स्वास्थ्य, कृषि तथा औद्योगिक क्षेत्रों में जल निगरानी को सशक्त बनाएगी और स्वदेशी तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देगी।



विलास (सीमा सन्देश सं.) सीएसआईआर-सीरी द्वारा पानी की गुणवत्ता को जाँच के लिए विकसित एआई आधारित जल परीक्षण किट का उद्योग को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण किया गया। सीरी संस्थान के जयपुर परिसर अवसंजित औपचारिक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम में एआई आधारित जल परीक्षण किट को प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फार्मास्यूटिकल्स, इंदौर को हस्तांतरित की गई। विशाल फार्मास्यूटिकल्स इस टेक्नोलॉजी की तकनीकी जानकारी का उपयोग करते हुए किट का औद्योगिक उत्पादन करेगी और इसे उपभोक्तानों को उपलब्ध करवाएगी। यह तकनीक फार्मास्यूटिकल्स, इंदौर के प्रतिनिधि राजेश तिवारी के बीच प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टोअंटी) के दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया भी इस अवसर पर उपस्थित थे। उनके साथ जयपुर परिसर के वैज्ञानिक प्रभारी डॉ. सार्व कृष्णा, डॉ. विजय चटर्जी तथा अन्य वैज्ञानिक और अधिकारीगण भी मौजूद थे। पोर्टेबल डिजाइन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे विशेषताओं से युक्त यह जल परीक्षण किट कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की सहायता से पानी की गुणवत्ता का त्वरित, सटीक और सहज व डिजिटल मूल्यांकन करने में सक्षम है, जो विशिष्ट रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जल स्वास्थ्य और स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। सीरी द्वारा विकसित यह तकनीक प्रधानमंत्री के "मेक इन इंडिया" और "जल जीवन मिशन" जैसे अभियानों को सशक्त बनाने में दिशा में एक और सार्थक कदम है।



जयपुर परिसर के वैज्ञानिक प्रभारी डॉ. सार्व कृष्णा, डॉ. विजय चटर्जी तथा अन्य वैज्ञानिक और अधिकारीगण भी मौजूद थे। पोर्टेबल डिजाइन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे विशेषताओं से युक्त यह जल परीक्षण किट कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से पानी की गुणवत्ता का त्वरित, सटीक और सहज व डिजिटल मूल्यांकन करने में सक्षम है, जो विशिष्ट रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जल स्वास्थ्य और स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। सीरी द्वारा विकसित यह तकनीक प्रधानमंत्री के "मेक इन इंडिया" और "जल जीवन मिशन" जैसे अभियानों को सशक्त बनाने में दिशा में एक और सार्थक कदम है।

**विशाल फार्मास्यूटिकल्स, इंदौर को किया गया हस्तांतरण, कार्यक्रम में डॉ पंचारिया रहे उपस्थित**

जयपुर/पिलासो (मृदुल पत्रिका)। सीएसआईआर-सीरी द्वारा पानी की गुणवत्ता को जाँच के लिए विकसित एआई आधारित जल परीक्षण किट का उद्योग को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण किया गया। सीरी संस्थान के जयपुर परिसर अवसंजित औपचारिक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम में एआई आधारित जल परीक्षण किट को प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फार्मास्यूटिकल्स, इंदौर को हस्तांतरित की गई। विशाल फार्मास्यूटिकल्स इस टेक्नोलॉजी की तकनीकी जानकारी का उपयोग करते हुए किट का औद्योगिक उत्पादन करेगी और इसे उपभोक्तानों को उपलब्ध करवाएगी। यह तकनीक सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिक डॉ. सत्यम श्रीवास्तव एवं उनकी टीम द्वारा विकसित की गई है।



इस अवसर पर सीरी के टेक्नोलॉजी विज्ञान के डेप्युटी प्रमुख डॉ. नीरज कुमार एवं विशाल फार्मास्यूटिकल्स, इंदौर के प्रतिनिधि श्री राजेश तिवारी के बीच प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया भी इस अवसर पर उपस्थित थे। उनके साथ

जयपुर परिसर के वैज्ञानिक प्रभारी डॉ. सार्व कृष्णा, डॉ. विजय चटर्जी तथा अन्य वैज्ञानिक और अधिकारीगण भी मौजूद थे। पोर्टेबल डिजाइन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे विशेषताओं से युक्त यह जल परीक्षण किट कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से पानी की गुणवत्ता का त्वरित, सटीक और सहज व डिजिटल मूल्यांकन करने में सक्षम है, जो विशिष्ट रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जल स्वास्थ्य और स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। सीरी द्वारा विकसित यह तकनीक प्रधानमंत्री के "मेक इन इंडिया" और "जल जीवन मिशन" जैसे अभियानों को सशक्त बनाने में दिशा में एक और सार्थक कदम है।